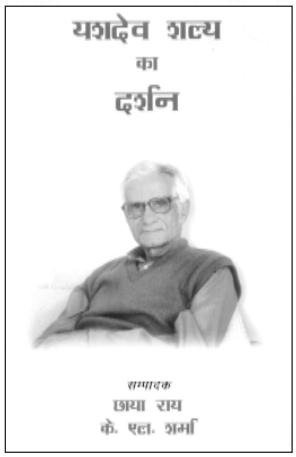

यशदेव शल्य का दर्शन

सम्पादकः छाया राय एवं डॉ॰ के॰ एल॰ शर्मा

2002
364 pages
Hard Back
ISBN 81-85636-53-2
Rs 600

जन्म 26 जून 1928, फरीदकोट (पंजाब), शिक्षा–आरंभिक चार वर्ष तक फरीदकोट के प्राइमरी स्कूल में, अनन्तर 20 अगस्त 1939 से 31 मार्च 1948 तक गुरुकुल, रायकोट (जिला लुधियाना, पंजाब) में। वहां प्रथम से सातंवी कक्षा तक अध्ययन के अनन्तर वहीं से संस्कृत कालेज, जयपुर की साहित्योपाध्याय और पंजाब विश्वविद्यालय की प्रभाकर परीक्षाएं कमशः एक बार और दो बार अनुर्त्तीण रह कर उर्त्तीण। इसके अनन्तर घर पर स्वयं अध्ययन कर मात्र अंग्रेजी की मैट्रिक और इंटरमीडियेट परीक्षाएं उर्त्तीण। अनन्तर परीक्षाओं का मार्ग छोडकर स्वतंत्र अध्ययन। 1949 में हिन्दी की साहित्यिक पत्रिकाओं में आलोचनात्मक लेख और कविताओं का प्रकाशन आरंभ। जनवरी 1951 में किताब महल, इलाहाबाद से *पन्त का काव्य और युग* पुस्तक का प्रकाशन। 1951 में ही साहित्य से दर्शन की ओर संक्रमण और *प्रतीक* पत्रिका के फरवरी और मार्च 1952 अंकों में 'व्यष्टि और समष्टि' शीर्षक प्रथम दार्शनिक लेख का प्रकाशन। जून 1954 में *अखिल भारतीय दर्शन परिषद्* तथा *दार्शनिक त्रैमासिक* की स्थापना।
7 जुलाई 1949 को बलबीर हाई स्कूल, फरीदकोट में हिन्दी के अध्यापक पद पर नियुक्ति और 15 जून 1965 को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में नवस्थापित *सामाजिक विज्ञान हिन्दी रचना केन्द्र* में सहायक निदेशक पद पर नियुक्ति। 1969 में इस केन्द्र के स्वायत्तशासी संस्था *राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी* में रुपांतरण के साथ इस संस्था में स्थानांतरण और 1970 में उपनिदेशक पद पर पदोन्नति। मई 1983 को इस से मुक्ति।

छाया राय रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के दर्शन विभाग की आचार्य एवं अध्यक्ष हैं। अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दार्शनिक संस्थाओं की आजीवन सदस्य, वेव्ज (वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर वैदिक स्टडीज) की विश्व जनसंपर्क अधिकारी, इपनो (इन्टरनेशनल फिलोसोफर्स फॉर पीस एन्ड प्रिवेन्शन ऑफ न्यूक्लीयर एन्ड अदर थ्रैट्स) की परामर्शदात्री समिति की सह–उपाध्यक्ष, भारतीय गांधी अध्ययन समिति की संयुक्त सचिव डॉ॰ राय के 90 शोधपत्र तथा 'स्टडीज इन फिलोसोफिकल मैथड्स' (1980), 'कांट का नीतिदर्शन' (1973, 1980), 'नैतिक चिंतन के आयाम' (2000), 'रेलीवेन्स ऑफ गांधीयन थॉट' (2000, संपादित) पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। शैक्षणिक, सामाजिक, साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्थाओं की संरक्षक एवं सदस्य सुश्री राय के लगभग 50 चिंतन एवं परिचर्चाएं आकाशवाणी से प्रसारित की जा चुकी हैं। सार्वजनिक व्याख्यानों के माध्यम से जनसामान्य में जीवन–मूल्यों के प्रति आस्था जगाना में अपना दायित्व मानती हैं।
डॉ॰ के॰ एल॰ शर्मा 36 वर्ष तक राजस्थान विश्वविद्यालय के दर्शन विभाग में अध्ययन करने के उपरान्त विभागाध्यक्ष के पद से सेवा निवृत। 12 पुस्तकें (मौलिक, सम्पादित एंव अनुवादित) दर्शन, मनोविज्ञान और शिक्षा से सम्बन्धित 60 से अधिक लेख विदेशी और भारतीय पत्रिकाओं में प्रकाशित। इण्डियन जर्नल ऑफ जैरोन्टोलोजि के सम्पादक। डायोजिनीज (हिन्दी) के प्रबन्ध सम्पादक। सोसाइटी फॉर फिलोसोफिकल प्रैक्सिस, कॉउन्सलिंग एण्ड स्प्रिच्युअल हीलिगं के संस्थापक। वर्तमान में फिलोसोफिकल कॉउन्सलर के रुप में स्थापित।